पारदर्शी और जवाबदेह बनें विश्वविद्यालय : राज्यपाल

विश्वविद्यालयों का भ्रमण करेंगे राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राज्य विश्वविद्यालयों को पारदर्शिता और जवाबदेही का पाठ पढ़ाया। साथ में अंदरूनी समस्याओं का समाधान कुलपति के स्तर पर खोजने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली जानने के लिए वह विश्वविद्यालयों का भ्रमण करेंगे।

राजभवन में सोमवार को राज्य विश्वविद्यालयों की बैठक लेते हुए राज्यपाल ने कुलपतियों और शासन के अधिकारियों को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में सहयोगपूर्ण वातावरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों और कार्य परिषदों की बैठकों में पूर्ण पारदर्शिता बरतने के निर्देश उन्होंने दिए। कालेजों की संबद्धता मामलों पर उन्होंने कहा कि मानकों के अनुरूप गहन परीक्षण के बाद ही प्रस्ताव राजभवन भेजे जाएं। सभी विश्वविद्यालय अपनी उपलब्धियों की बेस्ट प्रेक्टिस की मासिक रिपोर्ट राजभवन को भेजना सुनिश्चित करें।

राजभवन में होगा कुलपतियों का शपथ ग्रहण: राज्यपाल ने सभी कुलपतियों से कहा कि विश्वविद्यालय के लिए सीएसआर और एलुमनाई स्कालरशिप की संभावनाओं को तलाश करें। बैठक में निर्णय लिया गया कि राजभवन में अब नवनियुक्त कुलपतियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। इससे पहले कुलपतियों का शपथ ग्रहण नहीं होता था। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थी केंद्रित करने के प्रयास करने होंगे। छात्रों का सर्वांगीण विकास एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार ही लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की ओर से गोद लिए गए गांवों में विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी लेकर उन्हें माडल गांव

राज्यपाल/कुलाधिपति राज्य विश्वविद्यालय लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों की बैठक ली • साभार- सूचि

के रूप में विकसित किया जाए।

कुलाधिपति ने कहा कि शोध एवं तकनीक सही मायनों में तब ही उपयोगी है, जब उसका लाभ नागरिकों को मिले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का बताया है। इसे चरितार्थ करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्हें अकादमिक ज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकीय शोध के माध्यम से विकसित उत्तराखंड के लिए कार्य करना चाहिए। बैठक में कुलपतियों ने अपने-अपने विश्वविद्यालय की संबद्धता के मामलों, विभिन्न नियुक्तियों में पारदर्शिता, वर्षा जल संरक्षण, ई-आफिस, स्वच्छता अभियान सहित अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों की समस्याओं एवं चुनौतियों से अवगत कराया। बैठक में राज्यपाल के सचिव डा रंजीत कुमार, सचिव रविनाथ रमन, डा बीवीआरसी पुरुषोत्तम, डा पंकज कुमार पांडेय, प्रभारी सचिव आर राजेश कुमार, विधि परामर्शी अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाती एस भदौरिया उपस्थित रहे। कुलपतियों में मुक्त विश्वविद्यालय के डा ओपीएस नेगी, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के डा पीपी ध्यानी, पंतनगर विश्वविद्यालय के डा मनमोहन चौहान, तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो ओंकार सिंह उपस्थित रहे।